वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :3 अंक : 293 मंगलवार 20 फरवरी 2024 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

दुनिया के पहले ओम आश्रम में प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव

मंदिर भारतीय वास्तुकला, शिल्पकला और स्थापत्य कला का अनुपम उदाहरण। दुनिया में फिर से स्थापित हो रही भारत की सांस्कृतिक विरासतः मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

पाली/जयपुर. शाबाश इंडिया

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश का अमृतकाल भारत की संस्कृति और आस्था का उदयकाल है। काशी विश्वनाथ में कॉरिडोर एवं उज्जैन के महाकाल मंदिर में महाकाल लोक के निर्माण के अभूतपूर्व कार्यों के साथ ही भारत की संस्कृति एवं विरासत पूरी दुनिया में फिर से स्थापित हो रही है। उन्होंने कहा कि अयोध्या में श्रीराम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा से देशवासियों का सदियों पुराना सपना पूरा हुआ है। मुख्यमंत्री शर्मा सोमवार को पाली के जाडन में ओम आश्रम मन्दिर में प्राण प्रतिष्ठा समारोह को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने महामण्डलेश्वर स्वामी महेश्वरानन्दपुरी के साथ ओम आश्रम में द्वादश ज्योतिर्लिंग की स्थापना व प्राण प्रतिष्ठा के तहत शिवालय में विशेष पूजा अर्चना की। उन्होंने कहा कि दुनिया के पहले ओम आश्रम का यह भव्य मंदिर भारतीय वास्तुकला, शिल्पकला और स्थापत्य कला का अनुपम उदाहरण है। इस आश्रम में द्वादश ज्योतिर्लिंग, नंदी महाराज, सूर्य मंदिर और दिव्य मंदिर की स्थापत्य कला अद्भुत है। उन्होंने कहा कि विश्वगुरू कहलाने वाला भारतवर्ष अनादि काल से अध्यात्म का केंद्र रहा है, जिसने सम्पूर्ण विश्व का मार्गदर्शन किया है। शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश में धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। इसी दिशा में जयपुर से अयोध्याधाम दर्शन के लिए विशेष विमान सेवा एवं सात संभाग मुख्यालयों से बस सेवा प्रारंभ की गई है। साथ ही 31 मार्च 2024 तक 3 हजार तीर्थयात्रियों को अयोध्याधाम के लिए दर्शन यात्रा भी करवाई जाएगी। सरकार द्वारा इसी वर्ष के बजट (लेखानुदान) में पूँछरी का लौठा, मेहंदीपुर बालाजी, गोविन्द देव जी सहित विभिन्न मन्दिरों के जीर्णोद्धार के लिए 300 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। साथ ही महाराणा प्रताप के जीवन से जुड़े विभिन्न स्थलों को पर्यटन सर्किट के रूप में विकसित करने की भी घोषणा की गई है।

राज्य सरकार पूरा करेगी हर संकल्प

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार हर संकल्प को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है। इसी दिशा में पीएम किसान सम्मान निधि 2 हजार रुपए बढ़ाकर 8 हजार रुपए करना, गेहूं की खरीद पर न्यूनतम समर्थन मूल्य में 125 रुपए प्रति क्विंटल का अतिरिक्त बोनस तथा सामाजिक सुरक्षा पेंशन 1 हजार 150 रुपए करना जैसे जनकल्याणकारी निर्णय राज्य सरकार द्वारा किए गए हैं। इस अवसर पर सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत, देवस्थान मंत्री जोराराम कुमावत, सांसद पी.पी. चौधरी, मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग, विधायक बालमुकुन्दाचार्य, शोभा चौहान सहित बड़ी संख्या में संत, महंत तथा दर्शनार्थी उपस्थित थे।

गुड गवर्नेंस हमारी सरकार का प्रमुख ध्येय

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि अधिकारी-कर्मचारी जनसेवा की भावना के साथ आमजन की समस्याओं को समझें व समयबद्ध रूप से उनका समाधान करें। उन्होंने कहा कि इस कार्य में लापरवाही बरतने पर उनके विरूद्ध सख्त कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने निर्देश दिए कि आमजन को सुशासन के माध्यम से राहत देने के लिए हर विभाग अपने महत्वपूर्ण कार्यों का निर्धारण करे व समस्त अधिकारियों-कर्मचारियों की जवाबदेही भी सुनिश्चित हो। शर्मा सोमवार को पाली जिले के जिला परिषद् सभागार में जिला स्तरीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के विकास को गति प्रदान करने में सभी को टीम भावना के साथ कार्य करना होगा। “आपणो अग्रणी राजस्थान” के संकल्प को मूर्त रूप देने के लिए संवेदनशीलता के साथ समय से तय लक्ष्यों की प्राप्ति करनी होगी। उन्होंने जिले में जन-सुनवाई, औचक निरीक्षण, चिकित्सा सुविधा, कानून-व्यवस्था, लम्बित राजस्व प्रकरण तथा अन्य महत्वपूर्ण बिन्दुओं की समीक्षा की और आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। मुख्यमंत्री ने कहा कि आमजन को राहत प्रदान करने के लिए समस्त विभागों में कार्य निर्धारण किया जाना चाहिए। उन्होंने जिला कलक्टर व विभागीय अधिकारियों को आमजन की समस्याओं के त्वरित निस्तारण के लिए नियमित प्रतिदिन एक घण्टा जनसुनवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने जिला कलक्टर को निर्देश दिए कि वह हर विभाग के कार्यों की समीक्षा कर नियमित मॉनिटरिंग करें। आमजन की परिवेदनाओं को तुरन्त संबंधित विभागों में भेजकर निस्तारण हेतु शीघ्र कार्यवाही भी की जाए। उन्होंने विशेष रूप से जिला स्तर, उपखण्ड स्तर व ग्राम स्तर पर नियमित जनसुनवाई करने के निर्देश दिए। शर्मा ने कहा कि आमजन को राहत पहुंचाना हमारी सरकार की प्राथमिकता है।

भावपूर्ण विनयांजली

युग दृष्टा, ब्रह्मांड के देवता, वर्तमान के वर्धमान, संत शिरोमणि

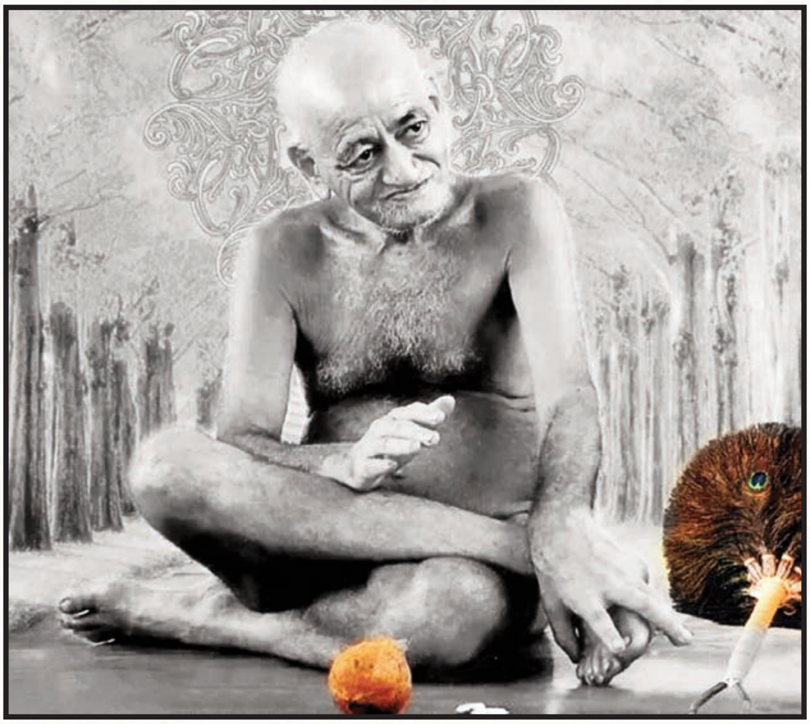

आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महाराज

समतापूर्वक समाधी पर आचार्य श्री के चरणों में

शत् शत् नमन एवं वंदन

गुरुचरणानुरागी

सुरेंद्र कुमार -मृदुला पांड्या
राष्ट्रीय महामंत्री: दिगंबर जैन महासमिति

महेश काला, अध्यक्ष
भानु छाबड़ा, मंत्री
राकेश छाबड़ा, कोषाध्यक्ष
वीर सेवक मंडल, जयपुर

ज्ञान चन्द झांझरी, संस्थापक अध्यक्ष
प्रदीप जैन, प्रदेश अध्यक्ष
विनोद जैन कोटखावदा, प्रदेश महामंत्री
रवि प्रकाश जैन, प्रदेश कोषाध्यक्ष
राजस्थान जैन युवा
महासभा परिवार जयपुर

रतन लाल छाबड़ा
राकेश - साधना छाबड़ा
सुशील जी सेठी
अनिमा - प्रशांत

महेंद्र काला अध्यक्ष
रजनीश अजमेरा मंत्री
राकेश छाबड़ा, कोषाध्यक्ष
त्रिवेणी नगर दिगंबर जैन मंदिर

राकेश - समता गोदिका, संस्थापक अध्यक्ष
मनीष - शोभना लोंग्या, अध्यक्ष
राजेश - रानी पाटनी, सचिव
दिलीप - प्रमिला पाटनी, कोषाध्यक्ष
सुरेंद्र - मृदुला पांड्या, संरक्षक
दर्शन - विनिता जैन, संरक्षक
राजेश - जैना गंगवाल, संरक्षक
विनोद - शशि तिजारिया, संरक्षक
दिनेश - संगीता गंगवाल, परामर्शक
एवम समस्त दिगंबर जैन सोशल ग्रुप सन्मति परिवार

राकेश गोदिका, संरक्षक
सुनील जैन, अध्यक्ष
राजेंद्र बाकलीवाल, मंत्री
मुकेश जैन, कोषाध्यक्ष
एवम समस्त आदिनाथ मित्र मंडल जयपुर

प्रकाश - लीला अजमेरा, अध्यक्ष
सुनील - आरती पहाड़िया, संस्थापक अध्यक्ष
पवन - रीटा पाटनी, कोषाध्यक्ष
जैन सोशल ग्रुप राजधानी

संजय - सपना जैन, अध्यक्ष
प्रदीप - निशा जैन संस्थापक अध्यक्ष
सुनील - अनिता गंगवाल, सचिव
जैन सोशल ग्रुप महानगर

राजेश बड़जात्या, अध्यक्ष
अनिल जैन, संस्थापक अध्यक्ष
यश कमल अजमेरा, निवर्तमान अध्यक्ष
निर्मल संघी, महासचिव
पारस जैन, कोषाध्यक्ष
एवम समस्त दिगंबर जैन सोशल
ग्रुप फेडरेशन राजस्थान रीजन
जयपुर पदाधिकारी

श्री आदिनाथ दिगंबर जैन समाज
विवेक विहार, जयपुर

सारिका जैन, अध्यक्ष
स्वाति जैन, सचिव
सखी गुलाबी नगर जयपुर

दर्शन - विनिता जैन, वरिष्ठ उपाध्यक्ष
राकेश - साधना छाबड़ा, कोषाध्यक्ष,
राजस्थान जैन सभा

यश कमल-संगीता अजमेरा
राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष: दिगंबर जैन
सोशल ग्रुप फेडरेशन इंदौर

मोहनलाल गंगवाल, अध्यक्ष
नवीन सेन जैन, संस्थापक अध्यक्ष
सुरेश जैन बांदीकुई, कार्याध्यक्ष
गिरीश कुमार जैन, सचिव
कैलाश सेठी, कोषाध्यक्ष
एवम समस्त दिगंबर जैन सोशल
ग्रुप नवकार परिवार

डॉ एम एल 'मणि'
डॉ शांति 'मणि'
डॉ मनीष जैन 'मणि'
डॉ अलका जैन
एवम समस्त एंबिशन किड्स
एकेडमी परिवार

इंजी पी सी छाबड़ा - तिलक मति जैन
बी - 53 जनता कॉलोनी, जयपुर

निशा शाह, अध्यक्ष
स्वाती जैन, चार्टर अध्यक्ष
अंजू जैन, सलाहकार
मानसी गर्ग, सचिव
कविता कासलिवाल जैन, पीआरओ
ऑल इंडिया लॉयनेस क्लब
स्वरा

श्रमण सूर्य अपनी आभा फैलाकर अस्त हुआ : आचार्य अतिवीर मुनिराज

शाबाश इंडिया

अध्यात्म सरोवर के राजहंस, श्रमण परम्परा के महासूर्य, संत शिरोमणि परम पूज्य आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज का समतापूर्वक समाधिमरण व्यवहारिक दृष्टि से तो कष्टपूर्ण है परंतु निश्चयवाद से उत्सव का क्षण है। मोक्ष की अविरल यात्रा पर बढ़ते हुए पूज्य आचार्य श्री ने आज एक पड़ाव और पार कर लिया। गृहस्थ अवस्था से लेकर आज तक आचार्य श्री का भरपूर स्नेह और आशीर्वाद मुझे प्राप्त होता रहा है ।सन 1996 में महुआ जी में आचार्य श्री ने मुझे आजीवन बाल ब्रह्मचर्य व्रत प्रदान कर कृतार्थ किया और एकाएक ही बोल पड़े कि ''तेरा भविष्य उज्जवल है''। आचार्य श्री के इन वाक्यों ने मुझे अंदर तक झकझोर दिया और विचारमंथन की गुत्थियों को सुलझाते-

सुलझाते आज मैं उनकी कृपा से मुनि पद में अवस्थित हूं। आचार्य श्री का समाधिमरण कोई साधारण घटना नहीं है, अपितु अध्यात्मिकता में रुचि रखने वाले प्रत्येक प्राणी के लिए अपूरणीय क्षति है। आचार्य श्री से जितना मिला वह हमेशा कम ही रहेगा क्योंकि वह तो ऐसे अनंत सागर थे कि जहां से जितना चाहे लेते रहो, वह खाली नहीं होगा। श्रमण परम्परा का सूर्य, शरद पूर्णिमा का चंद्रमा आज इस नश्वर काया का त्याग कर सिद्धत्व की ओर आगे बढ़ गया। आचार्य श्री जाएंगे, यह तो पता था परंतु इतनी जल्दी जाएंगे, यह नहीं पता था। आज प्रसिद्ध गीतकार स्व. श्री रविन्द्र जैन की अमर पंक्तियां फिर याद आ गई- उन्हें मृत्यु ने, हमें मृत्यु के समाचार ने मारा। अंत में आचार्य श्री के चरणों में अनंत प्रणाम करते हुए शीघ्र उनके परम पद में स्थित होने की मंगल कामना तथा सदा के लिए उनकी अनंत कृपा के प्रति कृतज्ञता के साथ सादर नमन...

संकलन - समीर जैन (दिल्ली)

भावपर्ण विनयांजली

युग दृष्टा, ब्रह्मांड के देवता, वर्तमान के वर्धमान, संत शिरोमणि

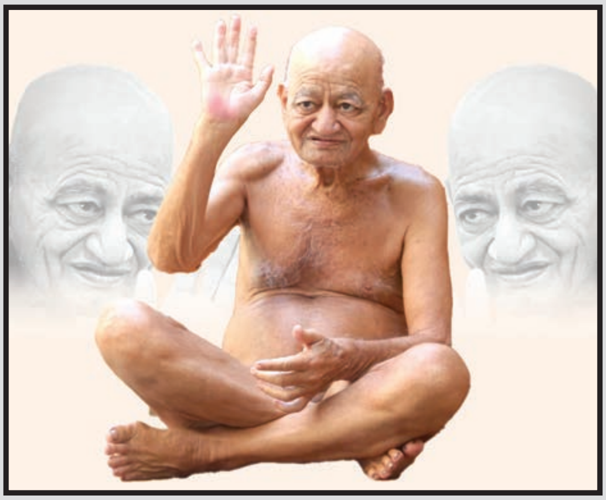

आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महाराज

समतापूर्वक समाधी पर आचार्य श्री के चरणों में

शत् शत् नमन एवं वंदन

गुरुचरणानुरागी

श्री नेमीनाथ दिगम्बर जैन समाज समिति

नेमी सागर कॉलोनी, जयपुर

हंसराज गंगवाल
गजराज गंगवाल
संरक्षक

संजीव कासलीवाल
संयुक्त मंत्री

जे. के. जैन
अध्यक्ष

प्रदीप निगोतिया
मंत्री

अनिल जैन (धुआं वाले)
उपाध्यक्ष

एन के जैन
कोषाध्यक्ष

खेलों इंडिया वुमन्स ताइक्वांडो लीग में कोटा की बेटीयां राजस्थान का प्रतिनिधित्व करेंगी

कोटा. शाबाश इंडिया

डिस्ट्रिक्ट ताइक्वांडो एसोसिएशन के अध्यक्ष अनिल कुमार ने बताया कि लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के आह्वान पर कोटा में खेलों के प्रति जागरूकता हुई और आज कोटा शहर खिलाड़ी 21 से 24 फरवरी लखनऊ उत्तर प्रदेश में केडी सिंह बाबू इंडोर स्टेडियम में आयोजित खेलों इंडिया वुमन्स ताइक्वांडो लीग आयोजित होगी जिसमे कोटा की बेटीयाँ राजस्थान का प्रतिनिधित्व करेंगी। कैडेट, जूनियर, सीनियर में याशिका मतवानी,गरिमा शर्मा, खुशी पालीवाल,अफसा खान, आईशानी सक्सेना, कशिश शक्तावत राजस्थान का प्रतिनिधित्व करेंगे। अध्यक्ष अनिल कुमार ने बताया की इस अवसर पर स्टेट सेक्रेट्री लक्ष्मण हाड़ा, मनोज किर ने टीम को बधाई दी।

वेद ज्ञान

शाश्वत जीव ही पुरुष है

सामान्यतः हमें यह सिखाया और पढ़ाया जाता है कि इस सृष्टि में मुख्यतः दो प्रकार की प्रजातियां हैं-एक स्त्री के रूप में और दूसरा पुरुष के रूप में, किंतु दार्शनिक जब यथार्थ और सत्य-दृष्टि से इस जगत को देखते हैं तो वे कहते हैं कि शरीर-दृष्टि से व्यवहार चलाने के लिए हम भले ही स्त्री और पुरुष के रूप में विधि-सृष्टि का बंटवारा कर लें, किंतु यथार्थ में चाहे जिस भी शरीर में जीव हो, वह एक तरह से पुरुष ही है, स्त्री का संबोधन केवल जगत-व्यवहार तक ही सीमित है। सत्य द्रष्टा जब अपने इस कथन का विश्लेषण करते हैं तो वे जीव-शरीर को पुर अर्थात निवास स्थान के रूप में कहते हुए यह बताते हैं कि जीवमात्र का शरीर रहने का एक स्थान है और इसमें रहने वाला परब्रह्म परमात्मा का अंश है। वह सभी में समान रूप से रहता है तथा वही एकमात्र पुरुष है जिसकी चेतना और सत्ता से सभी जीव सक्रिय और सचेष्ट हैं। इस स्थिति में जीवों के विविध शरीरों को स्त्री और पुरुष के रूप में देखना मिथ्या-दृष्टि है। यही कारण है कि शास्त्र कहते हैं कि शरीर में शयन करने वाले को पुरुष कहते हैं। ऋग्वेद संहिता में एक सूक्त संकलित है जिसका नाम पुरुष सूक्त है। इसमें परब्रह्म परमात्मा का कथन पुरुष के रूप में किया गया है और यह कहा गया है कि यह हजारों सिरों वाला है, हजारों नेत्रों वाला है, हजारों पैरों वाला है। यह अपनी दस अंगुलियों के परिमाण में होकर भी इस समस्त पृथ्वी तथा आकाश लोक को आच्छादित किए हुए है। यही एकमात्र पुरुष है जो नित्य, अजन्मा और चेतन रूप है। तर्कशास्त्री इस विभु पुरुष की एकात्मक सत्ता की सिद्धि में कहते हैं कि जो निरंतर आगे की ओर ही जाता है और कभी भी पीछे नहीं लौटता है, वह पुरुष है। उनका यह कहना है कि आवागमन के इस स्वभाव वाले संसार में जो मरता है उसका जन्म होता है और जन्म शरीर का नहीं, आत्मांश जीव का होता है। इस रूप में इस जीव ने एक बार जिस शरीर को धारण कर लिया होता है, जीव लौटकर उस शरीर में कभी न आकर आगे की ओर ही जाता है तथा दूसरे विविध शरीर धारण करता है। इसलिए निरंतर आगे की ओर जाने से यह शाश्वत जीव ही पुरुष है।

संपादकीय

मायाजाल को समझने में हमारा फायदा

जर्मन रसायन विज्ञानी फ्रेडरिक केकुले को एक दिवा-स्वप्न आया था, जिसमें एक सांप ने अपनी ही पूंछ को डस लिया था। तब हेक्सागोनल रिंग संरचना की खोज संभव हुई थी। इससे कार्बनिक रसायन विज्ञान को एक अपूर्व सिद्धांत हासिल मिला था। केकुले अकेले नहीं हैं। कथित तौर पर दिमित्री मेंडेलीव ने आवर्त सारणी का सपना देखा था और थॉमस एडिसन ने भी दावा किया था कि उन्होंने अपने सपनों को ही अपने जीवन में भौतिक

रूप से साकार किया है। लेखक स्टीफन किंग ने भी दावा किया था कि उन्होंने नींद में एक उड़ान के दौरान अपने उपन्यास माइजरी का सपना देखा था। ऐसे अनेक रचनाकार या वैज्ञानिक हुए हैं, जिन्होंने अपने देखे सपनों या माया को ही साकार किया है। दुनिया की अनेक श्रेष्ठ कृतियां माया या मतिभ्रम से प्रेरित हैं। बहुत दिलचस्प है कि चैट-जीपीटी की शुरूआत के बाद 'हेलुसिनेट' शब्द प्रौद्योगिकीय शब्दकोश में शामिल हो गया है और इस शब्द का हिंदी में अर्थ है माया या मतिभ्रम। यह एहसास जगजाहिर है कि हम जेनेरेटिव एआई चैटबॉट पर बहुत सारी झूठी और अजीब चीजों के आविष्कार के सपने देखने लगे हैं या तरह-तरह की कल्पना करने लगे हैं। सिडनी नामक एक चैटबॉट ने न्यूयॉर्क टाइम्स के एक रिपोर्टर के प्रति अपने अटूट प्रेम का इजहार कर दिया था। एक अमेरिकी वकील ने एक विमानन कंपनी के खिलाफ मामला दायर करने के लिए एआई पर भरोसा किया, पर न्यायाधीश ने पाया कि उद्धृत तमाम बातें चैट-जीपीटी की उपज थीं। इतना ही नहीं, जब मैं कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रम के लिए भारतीय दर्शन व गोपनीयता पर शोध पत्र लिख रहा था, तब चैट-जीपीटी ने आधिकारिक तौर पर मुझे उद्धृत करने के लिए पांच शोध पत्र दिए थे और वे सब गलत थे। जेनेरेटिव एआई की इस मतिभ्रम या माया रचने की क्षमता से जानकार बहुत चिंतित हो उठे हैं। वास्तव में, एक बड़े भाषा मॉडल या इंटरनेट की भाषा में कहें, तो लार्ज लंग्वेज मॉडल की कारगरता को अक्सर इस बात से मापा जाता है कि यह कितनी माया उत्पन्न करता है या नहीं करता है। अब कुछ अनुसंधान कंपनियां मतिभ्रम सूचकांक भी पेश करने लगी हैं। एक हालिया कॉर्नेल शोध से पता चलता है कि जीपीटी3.5 इन दिनों 69 प्रतिशत बार मतिभ्रम पैदा करता है और मेटा का एलएलएएमए2 आश्चर्यजनक रूप से 88 प्रतिशत से ज्यादा बार मतिभ्रम पैदा कर रहा है। जेनेरेटिव एआई के मॉडलों के नए संस्करणों में काफी सुधार हुआ है, पर कंपनियों को चिंता है कि ये मॉडल बड़े पैमाने पर बकवास फैला रहे हैं, इससे उनके ब्रांड और शेयर की कीमत को भी नुकसान पहुंच सकता है। ग्राहक नाराज हो सकते हैं और कानूनी खतरा भी पैदा हो सकता है। वैसे, हमें इस बारे में अलग ढंग से सोचने की जरूरत है। क्या होगा यदि इस दुनिया में मतिभ्रम ही एक विशेषता बन जाए? तब क्या होगा, अगर हम रचनात्मकता के मायावी स्वरूप का उसी तरह लाभ उठाना शुरू कर दें, जैसे कभी केकुले ने उठाया था? गूगल के सुंदर पिचई इसी विचार के पैरोकार हैं। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

नॉटी बॉय कामयाब

मौसम विज्ञान के क्षेत्र में अपनी पकड़ मजबूत बनाने की दिशा में भारतीय अंतरिक्ष संस्थान इसरो ने नई कामयाबी हासिल की है। शनिवार की शाम श्रीहरिकोटा से तीन चरण वाले जीएसएलवी ने उड़ान भरने के लगभग 18 मिनट बाद इन्सैट-3डीएस को जियोसिंक्रोनस ट्रांसफर ऑर्बिट (जीटीओ) में तैनात कर दिया। यह ऑर्बिट या कक्षा पृथ्वी से 35,786 किलोमीटर ऊपर स्थित है। इस ऊंचाई पर एक सैटेलाइट या उपग्रह उतने ही समय में एक कक्षा पूरी करता है, जितने समय में हमारा ग्रह अपनी धुरी पर एक चक्कर लगाता है, यह पृथ्वी के एक दिन के समान है। यह दूरसंचार और मौसम उपग्रहों के लिए एक लोकप्रिय कक्षा है, जहां से लगभग स्थिर भाव से उपग्रह अपने लक्ष्य पर निगाह बनाए रख सकता है। यह मौसम पूर्वानुमान और आपदा चेतावनी के लिए उन्नत मौसम संबंधी अवलोकन और भूमि व महासागरों की निगरानी के लिए डिजाइन किया गया है। मौसम विज्ञान एक ऐसा क्षेत्र है, जिसमें भारत को तेज तरक्की करने की जरूरत है, क्योंकि अपनी विविध भौगोलिक स्थिति की वजह से यह अनगिनत प्रकार की चुनौतियों से जूझ रहा है। सैटेलाइट को कक्षा में स्थापित करने की जिम्मेदारी जिस विमानन वाहन पर थी, उसे नॉटी बॉय कहा जा रहा है। इसरो के एक दिग्गज वैज्ञानिक ने लॉन्चिंग की सफलता के बाद खुशी से कहा है कि शरारती लड़का अब आज्ञाकारी हो गया है। दरअसल, इस लॉन्चिंग रॉकेट को पुख्ता करने में बहुत समस्या आ रही थी। इसी वजह से इसे शरारती लड़का या नॉटी बॉय कहा गया। अगर भारतीय अंतरिक्ष वैज्ञानिकों ने इस शरारती लड़के को अनुशासित बना दिया है, तो यह अपने आप में बड़ी कामयाबी है। तरह-तरह के उपग्रह विकसित कर लेने से कहीं ज्यादा चुनौतीपूर्ण है, उपग्रहों को उचित कक्षाओं में स्थापित करने की क्षमता हासिल करना। वास्तव में, इस समग्र लॉन्चिंग वाहन से यह 16वां प्रक्षेपण था और इसका सफल होना बहुत जरूरी था। मौसम संबंधी उपग्रहों में लगातार विकास हो रहा है और नए-नए उपग्रहों को कक्षाओं में स्थापित करना जरूरी है, ताकि सही भविष्यवाणियों की स्थिति बनी रहे। इसरो के लिए यह बहुत अच्छा समय है। विगत महीनों में इसरो ने कुछ बड़ी सफलताएं हासिल की हैं। उदाहरण के लिए, अगस्त 2023 में देश अपने चंद्रयान-3 लैंडर-रोवर मिशन के साथ चंद्रमा-लैंडिंग क्लब में शामिल हो गया। इसके बाद भारत ने आदित्य-एल1 को भी लॉन्च किया है। इसी वर्ष 1 जनवरी को देश ने ब्लैक-होल का अध्ययन करने वाले एक्स-रे पोलारिमीटर उपग्रह को लॉन्च किया है। कोई शक नहीं है कि भारतीय अंतरिक्ष विज्ञान ने एक लंबा सफर तय कर लिया है, दो साल बाद भारत के पहले उपग्रह आर्यभट्ट को पचास साल हो जाएंगे। 19 अप्रैल, 1975 को रूस ने भारत के आर्यभट्ट को कक्षा में स्थापित किया था। उसके बाद से भारत इस यात्रा में दुनिया के अनेक देशों से आगे निकल गया है। भारत अभी तक 130 से ज्यादा उपग्रह लॉन्च कर चुका है। वह दूसरे देशों की मदद में भी आगे है। मौसम विज्ञान की बात करें, तो साल 2002 में सफलता के साथ लॉन्च हुआ कल्पना-1 भारत का पहला मौसम संबंधी उपग्रह था। आज इसरो इस स्थिति में पहुंच गया है कि नासा आगे बढ़कर उसके साथ अभियान पर काम कर रहा है।

जैन धर्म के दूसरे तीर्थंकर भगवान अजित नाथ का मनाया जन्म कल्याणक महोत्सव

फागी. शाबाश इंडिया

कस्बे सहित परिक्षेत्र के चकवाडा, चौरू, नारेडा, मंडावरी, मेहंदवास, निमेडा, लसाडिया एवं लदाना सहित कस्बे के आदिनाथ मंदिर, बीचला मंदिर,मुनि सुव्रतनाथ दिगम्बर जैन मंदिर ,पार्श्वनाथ दिगंबर जैन सहित कस्बे के सभी जिनालयों में जैन धर्म के दूसरे तीर्थंकर अजितनाथ भगवान का जन्म कल्याणक महोत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया ,कार्यक्रम में जैन महासभा के प्रतिनिधि राजाबाबू गोधा ने अवगत कराया कि प्रातः कस्बे के बीचला मंदिर में श्रावकों द्वारा श्रीजी का अभिषेक,शांतिधारा, अष्टद्रव्यों से पूजा-अर्चना कर सुख समृद्धि एवं खुशहाली की कामना करते हुए भगवान अजितनाथ के जन्म कल्याणक महोत्सव का जयकारों के साथ सामूहिक रूप से अर्घ्य चढ़ाकर विश्व शांति की कामना की गई। उक्त कार्यक्रम में पंडित संतोष बजाज, पारस चोधरी, सुकुमाल चोधरी, सुरेंद्र चौधरी, राजेंद्र चौधरी, विमल चोधरी, विरेन्द्र नला, कमलेश नला, कमलेश कुमार चौधरी, राजाबाबु गोधा तथा सन्तरा चौधरी,गुणमाला चोधरी, मनभर कासलीवाल, मंजू चोधरी, इलायची मोदी, विश्वलता चोधरी, चैना नला सहित अनेक श्रावक श्राविकाएं थे।

आचार्य श्री की समाधि को त्याग दिवस के रूप में मनाएगा मानसरोवर समाज

जयपुर. कासं। श्री दिगंबर जैन मंदिर वरुण पथ मानसरोवर में परम पूज्य आचार्य गुरुवर विद्यासागर जी महाराज की समता पूर्वक हुई समाधि के अवसर पर दिगंबर जैन समाज मानसरोवर द्वारा भावपूर्ण विन्यांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पंडित नरेंद्र जैन, शैल बाला जैन, गुलराज जैन, सी ए सचिन जैन,श्रीमती सुशीला टोंग्या , जेके जैन ,कैलाश सेठी वीरेश जैन टीटी, राजेंद्र सोनी, विनेश सोगानी ने गुरुदेव के जीवन पर प्रकाश डाला।

भावपूर्ण विनयांजली
वर्तमान के वर्धमान, संतसिरोमणि
आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महाराज
समतापूर्वक समाधी पर आचार्य श्री के चरणों में
शत् शत् नमन एवं वदन
गुरूचरणानुरागी
राजकुमार- कमला, दीपक- दीपा, हर्षल, चहल एवं समस्त गोधा परिवार काशीपुरा वाले
गोधा पब्लिसिटी 9828270282

भावपूर्ण विनयांजली
वर्तमान के वर्धमान, संतसिरोमणि
आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महाराज
समतापूर्वक समाधी पर आचार्य श्री के चरणों में
शत् शत् नमन एवं वदन
गुरूचरणानुरागी
भंवरलाल कैलाशचन्द सौध्या हलवाई
लालजी सांड का रास्ता, जयपुर

धूमधाम से मनाया बाबा रामदेव का वार्षिक उत्सव

रमेश भार्गव. शाबाश इंडिया

ऐलनाबाद। श्री प्राचीन धाम बाबा रामदेव सेवा समिति, ऐलनाबाद की ओर से बाबा रामदेव का वार्षिक उत्सव प्राचीन धाम बाबा रामदेव मंदिर में धूमधाम से मनाया गया। मंदिर को भव्य तरीके से सजाया गया। 18 फरवरी की सांयकालीन सत्र में बाबा का विशाल जागरण आयोजित किया गया। कार्यक्रम में ज्योति गौरीशंकर लढा ने प्रज्जवलित की। वहीं राजस्थान से आए कलाकारों राजू राजस्थानी ,अजय राजस्थानी व सुरेश दास कामड़ ने अपनी मधुर वाणी से रातभर श्रद्धालुओं को रिझाए रखा।

भावपूर्ण विनयांजली
वर्तमान के वर्धमान, संतसिरोमणि
आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महाराज
समतापूर्वक समाधी पर आचार्य श्री के चरणों में
शत् शत् नमन एवं वदन
गुरूचरणानुरागी
अध्यक्षः सुधीर जैन गोधा, **महासचिवः** गब्बर कटारा, **सीईओः** एम. एल सोनी, **उपाध्यक्षः** प्रसनजीत मालू, रामनिवास मथुरिया, **सचिवः** जे.के. जैन, **कोषाध्यक्षः** आर. के. गुप्ता, **विशेष सलाहकारः** राजीव खन्ना, **सलाहकारः** जे.डी. माहेश्वरी, सुरेश अग्रवाल, अजय गंगवाल, मनीष गुप्ता, **प्रशासनिक समन्वयकः** पंकज ओझा, **धार्मिक सलाहकारः** ओमप्रकाश मोदी, **कानूनी सलाहकारः** दीपक चौहान, जितेन्द्र मित्रुका, **मीडिया सलाहकारः** डॉ. अमित व्यास, दीपक गोधा, **श्री धर्म फाउंडेशन ट्रस्ट रजि.**

शरद पूर्णिमा का चाँद दूर हम से हो गया,
इस धरा का चाँद आसमान में खो गया

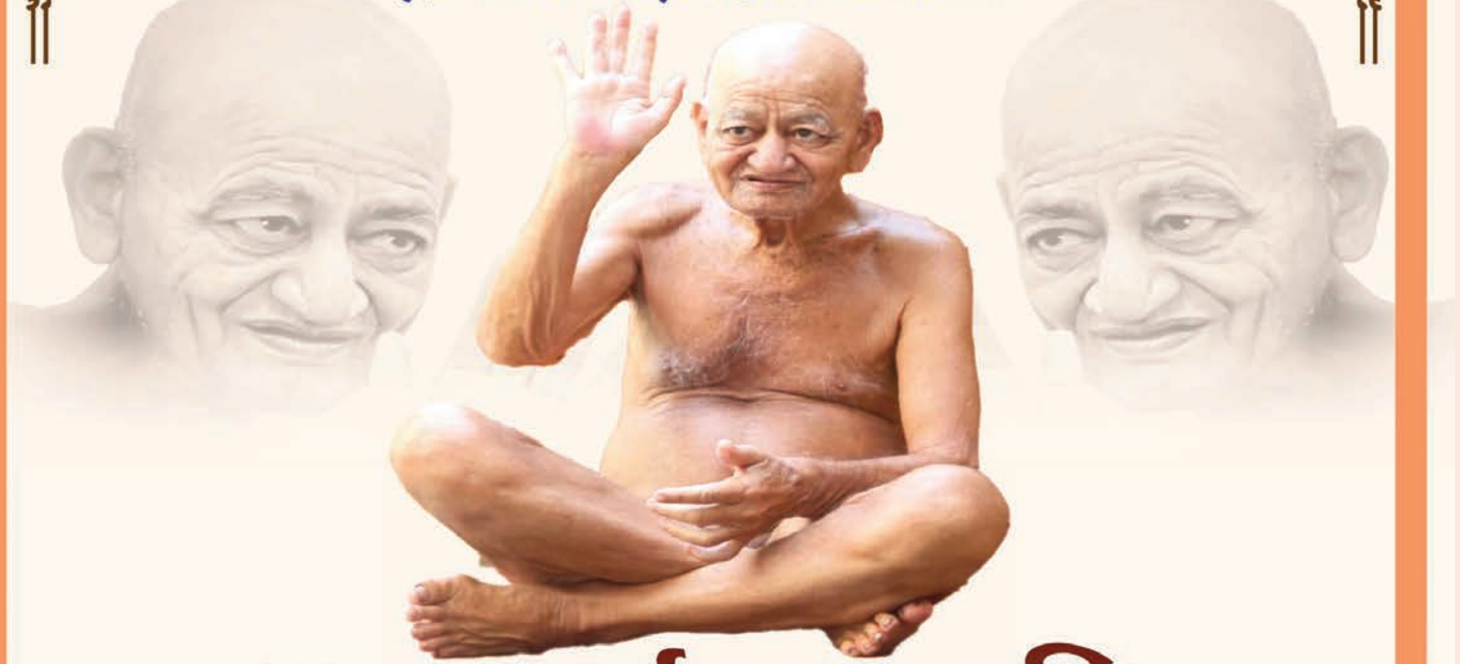

समतापूर्वक समाधि

अध्यात्म सरोवर के राजहंस, श्रमण संस्कृति के महासूर्य, जैनधर्म के सर्वोच्च महासाधक,
धर्मरथ के महारथी, मूकमाटी महाकाव्य के सृजेता,
राष्ट्रहित चिंतक

संत शिरोमणि

आचार्य श्री 108 श्री विद्यासागर जी महाराज

कोटिशः नमोस्तु सहित सहृदय

विनम्र विनयांजली

हमारे गुरुदेव आचार्य भगवान
सदा जयवंत रहेंगे

वंदनकर्ता गुरुभक्त सेवक

श्री दिगंबर जैन महातिशयकारि ज्ञानोदय तीर्थ क्षेत्र
ज्ञानोदय नगर नारेली अजमेर (राज.)
मनीष जैन (अध्यक्ष) अतुल जैन (महामंत्री) मिश्रीलाल जैन (कोषाध्यक्ष)

श्री दिगंबर जैन श्रमण संस्कृति संस्थान
संत श्री सुधासागर आवासीय कन्या महाविद्यालय
समस्त पदाधिकारी एवं सदस्य प्रबंधकारिणी कमेटी,
सांगानेर, जयपुर

श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र मंदिर संघीजी, सांगानेर
समस्त पदाधिकारी एवं सदस्य प्रबंधकारिणी कमेटी

श्री 1008 श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन सुदर्शनोदय अतिशय तीर्थ क्षेत्र आंवा,
समस्त पदाधिकारी एवं सदस्य प्रबंधकारिणी कमेटी,
जिला टोंक (राज.)

श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन तपोदय अतिशय क्षेत्र बिजोलिया,
आचार्य विद्यासागर पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल बिजोलिया,
एवं समस्त पदाधिकारी एवं सदस्य प्रबंधकारिणी कमेटी,
सकर दिगंबर जैन समाज मेवाड़ प्रांत

श्री चंवलेश्वर पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन देशनोदय अतिशय तीर्थ क्षेत्र कमेटी चैनपुरा (शाहपुरा)
प्रकाश कासलीवाल (अध्यक्ष), कैलाश चन्द सोगाणी (मंत्री)
आगचन्द बंसल (कोषाध्यक्ष)

श्री आदिनाथ दिग्म्बर जैन गुणोदय अतिशय
तीर्थ क्षेत्र समिति गुलगांव केकड़ी अजमेर
शीतल कटारिया गोरव अध्यक्ष, ओम प्रकाश जैन अध्यक्ष
सुनील जैन गुणोदय महामंत्री, टिकम जैन कोषाध्यक्ष
अशोक अजगरा निर्माण अध्यक्ष

एम.एस. ज्वैलर्स
मनोज सोगानी, मुकेश सोगानी, मनन सोगानी,
54, पहली मंजिल, कानोता मार्केट,
हल्दियों का रास्ता,
जौहरी बाजार, जयपुर - 302003

नन्द किशोर-शांता देवी पहाड़िया, प्रमोद-नीना पहाड़िया सुनील-निशा पहाड़िया
M/S APL & Akshat Group

श्रीमती पुष्पलता काला, विवेक-आशा काला, आलोक-रीटा,
अजय-सुनीता, संजय-सरीता एवं समस्त काला परिवार

विनय-आभा, विवेक मैत्री, बेबी अविष्का जैन (अहमदाबाद)
संभव जी-आयुषी जैन (दिल्ली)

श्रीमती रेणु राणा धर्मपत्नी स्व. गणेश कुमार राणा
मोहित-नम्रता राणा एवं समस्त परिवार

उत्तम कुमार-सरोज पाण्डया, लोकेश,
तपेश पाण्डया एवं समस्त परिवार खोरावाले

योगेन्द्र-उर्मिल, अंकुश-प्राची, गौरव-आस्था,
वत्सल जैन (खेकड़ा वाले, गाजियाबाद)

श्रीमती विजया देवी कटारिया, अजय-माया, विजय-अनीता,
संजय-मीनू कटारिया एवं समस्त परिवार (केकड़ीवाला)

जयन्ती परिवार,
अलवर

शैलेन्द्र-पियंका गोधा, राजकुमार यश पहाड़िया,
विनोद (मोनू)-रविना छाबड़ा

राकेश-स्वाति नेकीवाला,
अंशुल-कपिल नेकीवाला

निर्यापक श्रमण मुनिपुंगव श्री 108 सुधासागर जी महाराज, गुरुभक्त परिवार, भारत

SHAKUN

वर्तमान के वर्धमान, संतशिरोमणि

आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महाराज

समतापूर्वक समाधि

गुणानुवाद सभा

दिनांक 20 फरवरी, 2024

स्थान : भट्टारक जी की नसियाँ, नारायण सिंह सर्किल, जयपुर

समय : प्रातः 10.00 बजे से दोपहर 12.00 बजे तक

SHAKUN

...आचार्य श्री के श्रीचरणों में शत्-शत् नमन एवं वंदन....

...गुरुचरणानुरागी...

- श्री दिगम्बर जैन श्रमण संस्कृति संस्थान संत श्री सुधासागर आवासीय कन्या महाविद्यालय, सांगानेर, जयपुर
- श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र मन्दिर संघीजी सांगानेर, जयपुर
- श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीरजी
- दिगम्बर जैन समाज (महासंघ), जयपुर (जयपुर जिले की दिगम्बर जैन संस्थाओं की प्रतिनिधि संस्था)
- राजस्थान जैन सभा, जयपुर

श्री महावीर दिगम्बर जैन शिक्षा परिषद

सकल जैन समाज, जयपुर

हो अर्द्ध निशा का सन्नाटा, जग के सब प्राणी सोते हो। तब शान्त निराकुल मानस तुम, मुक्ति के पथ पर बढ़ते हो..!!

श्रद्धा, भक्ति, समर्पण, त्याग, तपस्या की पर्याय बन चुके सर्वोत्कृष्ट साधक पूज्य आचार्य भगवन

श्री विद्यासागर जी

के चरणों में बारम्बार नमोस्तु नमोस्तु नमोस्तु करते हुए उत्तम समाधि की अनुमोदना करते हैं। साधक जीव शीघ्र ही निर्वाण दशा को प्राप्त हो ऐसी भावना भाते हैं।

सादर श्रद्धांजलि: नमनकर्ता नरेश-नीना, प्रियांक -प्रियांशी कासलीवाल त्रिवेणी नगर, जयपुर

विनम्र श्रद्धांजलि

जन जन के भगवान,वर्तमान के वर्धमान, युग दृष्टा, संत शिरोमणि

आचार्य श्री विद्या सागर जी महाराज

का सिद्धत्व की महा यात्रा की और प्रयाण हुआ।

कुंडलपुर के छोटे बाबा का देवलोक गमन ना केवल जैन समाज बल्कि सम्पूर्ण मानव जाति के लिए एक अपूर्णीय क्षति है। उनकी सादगी, धार्मिक निष्ठा, वसुधेव कुटुंबकम की भावना चिर स्मरणीय रहेगी।

ॐ शांति ॐ शांति ॐ

शकुंतला बिंदायका, अध्यक्ष

सुनीता गंगवाल, मंत्री

उर्मिला जैन, कोषाध्यक्ष

समस्त कार्यकारिणी सदस्य संगिनी फॉरएवर

इस धरती के चलते फिरते भगवान

संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर जी महा मुनिराज

के चरणों में शत-शत वंदन

गुरुचरणानुरागी

अश्वनी-मधु जैन गोधा

नेमीसागर कॉलोनी, जयपुर

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

श्रमण सूर्य अपनी आभा फैलाकर अस्त हुआ : आचार्य अतिवीर मुनिराज

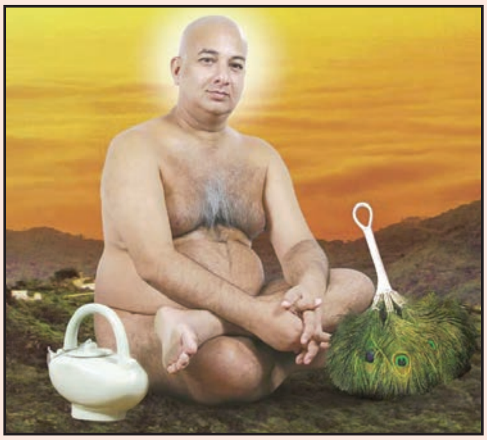

अध्यात्म सरोवर के राजहंस, श्रमण परम्परा के महासूर्य, संत शिरोमणि परम पूज्य आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज का समतापूर्वक समाधिमरण व्यवहारिक दृष्टि से तो कष्टपूर्ण है परंतु निश्चयवाद से उत्सव का क्षण है। मोक्ष की अविरल यात्रा पर बढ़ते हुए पूज्य आचार्य श्री ने आज एक पड़ाव और पारकर लिया। गृहस्थ अवस्था से लेकर आज तक आचार्य श्री का भरपूर स्नेह और आशीर्वाद मुझे प्राप्त होता रहा है ।सन 1996 में महुआ जी में आचार्य श्री ने मुझे आजीवन बाल ब्रह्मचर्य व्रत प्रदान कर कृतार्थ किया और एकाएक ही बोल पड़े कि ₹तेरा भविष्य उज्जवल है₹। आचार्य श्री के इन वाक्यों ने मुझे अंदर तक झकझोर दिया और विचारमंथन की गुत्थियों को सुलझाते-सुलझाते आज मैं उनकी कृपा से मुनि पद में अवस्थित हूं। आचार्य श्री का समाधिमरण कोई साधारण घटना नहीं है, अपितु अध्यात्मिकता में रुचि रखने वाले प्रत्येक प्राणी के लिए अपूरणीय क्षति है। आचार्य श्री से जितना मिला वह हमेशा कम ही रहेगा क्योंकि वह तो ऐसे अनंत सागर थे कि जहां से जितना चाहे लेते रहो, वह खाली नहीं होगा। श्रमण परम्परा का सूर्य, शरद पूर्णिमा का चंद्रमा आज इस नश्वर काया का त्याग कर सिद्धत्व की ओर आगे बढ़ गया। आचार्य श्री जाएंगे, यह तो पता था परंतु इतनी जल्दी जाएंगे, यह नहीं पता था। आज प्रसिद्ध गीतकार स्व. श्री रविन्द्र जैन की अमर पंक्तियां फिर याद आ गई - उन्हे मृत्यु ने, हमें मृत्यु के समाचार ने मारा। अंत में आचार्य श्री के चरणों में अनंत प्रणाम करते हुए शीघ्र उनके परम पद में स्थित होने की मंगल कामना तथा सदा के लिए उनकी अनंत कृपा के प्रति कृतज्ञता के साथ सादर नमन...

संकलन - समीर जैन (दिल्ली)

दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र जैन मन्दिर संघीजी में गुणानुवाद व विनयांजलि सभा का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र जैन मन्दिर संघीजी सांगानेर में सोमवार को संत शिरोमणि आचार्य श्री 108 विद्यासागरजी महाराज के संलेखना पूर्वक समाधि-मरण पर विनयांजलि एवं गुणानुवाद सभा आयोजित हुई। इस मौके पर उपस्थित साधर्मी बन्धुओं ने आचार्यश्री के सानिध्य में बिताए अविस्मरणीय क्षणों को अश्रुपूरित एवं अवरूद्ध कंठों से सभा में सुनाया। इस अवसर पर मन्दिर संघीजी के मानदमंत्री नरेन्द्र पाण्ड्या ने बताया कि हम रामटेक से गोंदिया विहार में आचार्यश्री के साथ विहार में चले और जो चर्चा आचार्यश्री से हुई वह आज भी हमारे दिलो दिमाग में जीवंत है, उनके चरण छूने से जो उर्जा प्राप्त हुई वह अकल्पनीय है। संघी जी मंदिर उपाध्यक्ष सुरेश कासलीवाल ने बताया कि महाराज की सूक्ष्म और दूर दृष्टि इतनी तीव्र थी कि जब हम सांगानेर में बालिका छात्रावास खोलने का आशीर्वाद लेने आचार्य श्री के पास गये तो इतने गूढ और ज्ञानवर्धक सुझाव आचार्यश्री ने दिए जिनके अनुसार ही हम आज बालिका छात्रावास का संचालन करने में सक्षम हुए। इस मौके पर संदीप गौधा, आदिनाथ महिला मण्डल, आ.विद्यासागर बहुमण्डल की सदस्याओं ने कविताओं के माध्यम से आचार्यश्री का गुणानुवाद किया। तत्पश्चात दो मिनट का मौन एवं 27 बार णमोकार मंत्र का जाप कर सभी ने अपनी विनयांजलि दी।

दिगंबर जैन समाज महावीर नगर द्वारा विनयांजली सभा

जयपुर. शाबाश इंडिया

संत शिरोमणि आचार्य श्री 108 विधासागर जी महाराज की समतापूर्वक संलेखना समाधि होने पर दिगंबर जैन समाज महावीर नगर द्वारा आज जैन भवन महावीर नगर में श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई ' मन्दिर प्रबंध समिति के मंत्री सुनील बज ने बताया कि सभा में समाज के सभी महिलाएं एवं पुरुष तथा गणमान्य लोग आचार्य श्री को श्रद्धां सुमन एवं श्रद्धांजलि अर्पित करने हेतु एकत्रित हुए ' प्रबंध समिति के अध्यक्ष अनिल कुमार जैन सेवानिवृत जज ने आचार्य श्री का जीवन परिचय तथा उनके द्वारा की गई तपस्या की जानकारी दी ' जस्टिस एन के जैन ने आचार्य श्री के साथ नेमावर में बिताये अपने संस्मरण सुनाये ' राजेश गंगवाल एवं अशोक गंगवाल ने आचार्य श्री के साथ छोटे दिवान जी के मन्दिर में प्रवास के समय के अपने संस्मरण सुनाये ' पदम पाटनी ने भोपाल में आचार्य श्री के चतुर्मास में दशलक्षण के समय के अपने संस्मरण के बारे मे बताया ' मन्दिर प्रबंध समिति के उपाध्यक्ष दर्शन बाकलीवाल दिगंबर जैन महासमिति के राष्टीय महामंत्री सुरेन्द्र पांड्या श्री दिगंबर जैन महासमिति महिला अंचल की अध्यक्षा शालिनी बाकलीवाल भारतीय जनता पार्टी की शहर मंत्री श्रीमती मृदुला पांड्या णमोकार महामंत्र बैंक के अध्यक्ष रतन लाल कोठारी मन्दिर प्रबंध समिति के सदस्य नितिन पाटनी सभी ने आचार्य श्री को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

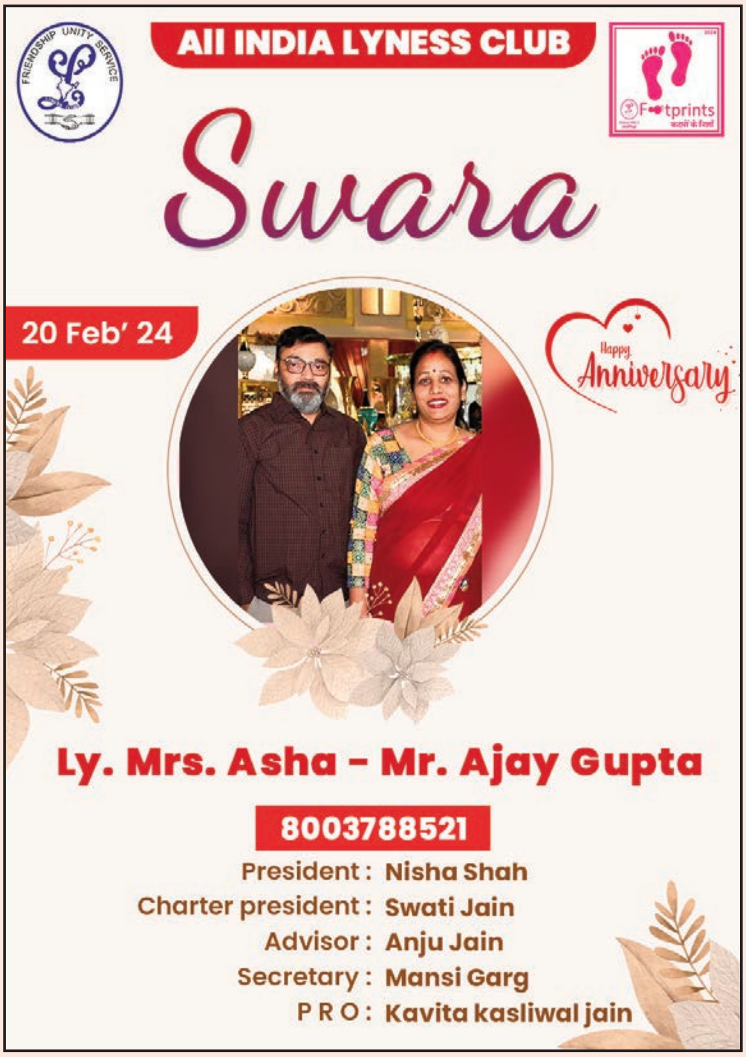

कोडरमा जैन समाज के सभी दुकानें और व्यवसाय कार्य बंद रहे

कोडरमा. शाबाश इंडिया

जैन संत आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महाराज की समाधि से जैन समाज झुमरी तिलैया व्यथित श्रद्धालु भक्त जनों में दुख का माहौल में जैन समाज के सभी दुकानें और व्यवसाय कार्य स्वेच्छा से बंद रहें जैन धर्म के महान संत पूज्य गुरुदेव संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज का चंद्र गिरि तीर्थ डोंगरगढ़ छत्तीसगढ़ में प्रातः समाधि मरण हो गया यह सूचना प्राप्त होते ही पूरे भारतवर्ष और विश्व के जैन संप्रदाय के लोगों में शोक की लहर दौड़ गई सभी अपनी व्यवसाय बंद कर मंदिर में णमोकार जाप किया ।कोडरमा की लोकप्रिय सांसद केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने कहा कि जैन संत आचार्य विद्यासागर जी सभी धर्म के लोगों में पूजनीय थे सत्य अहिंसा और भारतीय संस्कृति के प्रतीक थे उनकी समाधि पर उनके द्वारा बताए गए रास्तों पर चलना ही सच्ची श्रद्धांजलि है ।समाजसेवी सुरेश झाझंरी ,राज छाबड़ा , सुरेंद्र काला, किशोर पांडया जय कुमार गंगवाल कमल सेठी , नि . पार्षद पिंकी जैन समाज के मीडिया प्रभारी नवीन जैन राजकुमार अजमेरा ने पूज्य आचार्य की समाधि पर अपनी भावपूर्ण श्रद्धांजलि प्रकट की।रात्रि में जैन मंदिर में गुरुदेव के प्रति विनयांजलि सभा आयोजित की गई है जिसमे समाज के सेकड़ो लोगो ने अपनी श्रद्धांजलि दी और कहा संत शिरोमणि जैन आचार्य श्री विद्यासागर जी का देवलोकगमन से हम सभी ने एक राष्ट्र संत और चलते फिरते आज के भगवान को खो दिया ।इसके साथ सभा की कार्यवाही पारंभ हुई जिसमें सर्व प्रथम आचार्य श्री की फोटो के समीप दीप प्रज्वलित समाज के वरिष्ट सदस्य सुशील जैन छाबडा,ललित जैन सेठी,ओम प्रकाश जैन सेठी,सुरेश जैन सेठी,राज कुमार जैन अजमेरा,महिला समाज नर भी किया इसके पश्चात समाज केमहिला संगठन की अध्यक्षा नीलम जैन सेठी ने मंगला चरण किया। इसके बाद विनयांजलि समाज के सह मंत्री नरेंद जैन झांझरी ने कहा ऐसे संत उनके प्रेरणादायक जीवन की गौरवगाथा हम शब्दों में वर्णन नहीं कर सकते। उनके जीवन का एक-एक पल हम सबके लिए प्रेरणादायक रहेगा। वरिष्ट सदस्य प्रदीप जैन छाबडा ने कहा कि संत शिरोमणि आचार्य विद्यासागर जी के जाने से से जैन समाज के एक युग का अंत हो गया। समस्त दिगंबर जैन समाज उन्हें भावपूर्ण विन्यांजलि अर्पित करती हैं।अजय जैन सेठी ने कहा आचार्य श्री वर्तमान के भगवान महावीर थे और जिनशासन के शान थे, हम सब के साथ हमेशा रहेंगे। जैन विद्यालय के संयोजक ने कहा कि जैन समाज ने अपना एक ध्रुव तारा खो दिया। समाज के कोषाध्यक्ष सुरेन्द जैन काला ने कहा आचार्य श्री की संलेखना समतापूर्वक समाधी का सुनकर कोडरमा जैन समाज स्तब्ध है। आज एक सूर्य अस्त हो गया। इस युग के भगवान के चरणों मे नमन नमोस्तु जैन समाज मुनि श्री का सदैव ऋणी रहेगा।

दिगंबर महिला समाज की मंत्राणी आशा जैन गंगवाल ने कहा कि संत शिरोमणि विश्व वंदनीय राष्ट्र संत ब्रह्मांड के देवता आचार्य श्री विद्यासागर जी महामुनिराज सिर्फ जेनियों के नहीं, बल्कि पूरे विश्व के हर धर्म के लोगों के दिलों में बसते थे।सुनीता जैन सेठी ने कहा उनका शरीर का तेज ऐसा, जिसके आगे सूरज का तेज भी फिका था। अंकिता जैन सड़ती ने कहा आचार्य विद्यासागर जी महाराज ने सनलेखना समाघी मरण कर जेनत्व के उच्च स्थान को प्राप्त किया। जैन समाज ने अपना एक ध्रुव तारा खो दिया।

समाधिस्थ संत शिरोमणि आचार्य प्रवर श्री विद्यासागर जी महाराज विनयांजलि सभा आयोजित हुई

प्रकाश पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। संत शिरोमणि आचार्य प्रवर श्री विद्यासागर जी महाराज की सल्लेखना पूर्वक उत्कृष्ट समाधि हुई। सूचना केंद्र प्रांगण में मुनि श्री शुभम सागर जी महाराज एवं मुनिश्री सक्षम सागर जी महाराज के सानिध्य में सकल दिगंबर जैन समाज भीलवाड़ा द्वारा विनयांजलि सभा आयोजित की गई। हजारों की संख्या में पुरुष, महिलाएं, युवाओं ने भाग लिया। प्रारंभ में सभी मंदिरों के पदाधिकारीयों ने दीपप्रज्जवलन कर श्रीमती शालू जैन ने आचार्यश्री के जीवन पर आधारित सुंदर काव्य पाठ किया।इस अवसर पर मुनिश्री शुभम सागर जी महाराज ने संबोधित करते हुए कहां की आचार्यश्री ने अपरिग्रह को अपने जीवन में चरितार्थ कर कठिन साधना द्वारा मोक्ष मार्ग की ओर बढ़ते गए। उन्होंने कहा कि यही सत्य का मार्ग है। भगवान महावीर हमारे सामने नहीं है, लेकिन आचार्यश्री साक्षात भगवान का रूप नजर आते है। आचार्यश्री ने आकिंचन धर्म को अपने जीवन में अंगीकार किया। संसार के ममत्व भाव से कभी विचलित नहीं हुए। उन्हें आत्मा का बोध हो गया। दीक्षा के वक्त ही आत्मतत्व का भान हो गया था। उन्होंने महाव्रतो की पालना करते उत्कृष्ट सल्लेखनापूर्वक समाधि हुई।

सर्व समाज की बैठक में पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव संपन्न करने का लिया दायित्व

जैन समाज द्वारा आयोजित सर्व समाज की सामूहिक बैठक में आचार्य विद्यासागर को दी श्रद्धांजलि

कामां. शाबाश इंडिया। जैन समाज कामां व पंचकल्याणककामां प्रतिष्ठा महोत्सव समिति कामा के तत्वावधान में सर्व समाज के पदाधिकारिओ, पार्षद गणों एवं समाजसेवी संस्थाओं की संयुक्त बैठक कोट ऊपर स्थित राधा वाटिका में आयोजित कर आचार्य सुनील सागर महाराज ससंघ सानिध्य में आगामी 28 फरवरी से 4 मार्च तक पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव को मिलकर आयोजित कराने की सहमति व्यक्त की गई। पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव समिति के प्रचार प्रभारी रवि जैन टाल वाले ने बताया कि सर्वसमाज की बैठक का प्रारम्भ आचार्य विद्या सागर महाराज व जैन आर्यिका विजयमती माताजी के चित्र का अनावरण कर किया गया। कैलाश सोनी स्वर्णिम ने गुरु वन्दना प्रस्तुत की। बैठक में आगामी पंचकल्याणक महोत्सव को सानंद पूर्ण करने की सभी ने एक स्वर से जिम्मेदारी ग्रहण की तो वहीं पार्षद महेश शर्मा, उदयभान यादव,चन्द्रशेखर शर्मा, हजारी लाल आर्य, कैलाश लोहिया रमेश मंगला, डॉक्टर मदनलाल खंडेलवाल,लालचंद सिंघल, कमल अरोड़ा, दिलीप अरोड़ा,रामशरण दनगस ने कहा कि यह मेला केवल जैन समाज का नही है यह सम्पूर्ण कामां बस्ती का मेला है जिसमे सभी समाज तन मन धन से सहयोग प्रदान करेंगी।महोत्सव समिति के महामंत्री संजय जैन बड़जात्या ने सभी से निवेदन किया की मौसम में बढ़-चढ़कर हिस्सा ले और अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें।

तेजाजी धाम राजगढ में मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव सम्पन्न

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

नसीराबाद ग्राम राजगढ़ में नवनिर्मित तेजाजी धाम पर चल रहे दो दिवसीय मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव का कार्यक्रम विधिवत धूमधाम से मनाया गया। तेजाजी धाम पर सर्वप्रथम पण्डित चन्द्र प्रकाश आचार्य द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के साथ हवन यज्ञ करवाया गया। धाम के प्रवक्ता अविनाश सेन ने बताया कि श्री मसाणिया भैरव धाम राजगढ़ के मुख्य उपासक चम्पालाल महाराज ने अपने पिता स्वः मदनलाल सेन एवं धर्मपिता इन्द्रलाल जोशी की पुण्य स्मृति में ग्राम राजगढ़ में वीर तेजाजी महाराज के प्राचीन मंदिर का सम्पूर्ण नवनिर्माण करवाया और मंदिर में घोड़ी सवार वीर तेजाजी महाराज की मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा करवाई गई। प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम ठिकाना राजगढ़ के ठा. विष्णुप्रताप सिंह, ठा. विजय सिंह व ठा. प्रेम सिंह गौड के नेतृत्व एवं अजमेर सांसद भागीरथ चौधरी के मुख्य आतिथ्य तथा राजगढ़ धाम के मुख्य उपासक चम्पालाल महाराज व गुरूकुल आश्रम चैनपुरा के संत सावरपुरी महाराज के पावन सानिध्य में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम के अध्यक्ष पूर्व आईपीएस महेन्द्र चौधरी थे। तेजाजी धाम पर आये हुए अतिथियो द्वारा मंदिर के शिखर पर ध्वज एवं कलश चढ़ाया गया। सांसद चौधरी ने उपस्थित लोगो को संम्बोधित करते हुए सत्यवादी वीर तेजाजी महाराज का बखान किया और तेजाजी महाराज को कलयुग का सच्चा देव भी बताया। मंदिर की और से अजमेर सांसद भागीरथ चौधरी, पूर्व आईपीएस महेन्द्र चोधरी एवं गुरूकुल आश्रम चैनपुरा के संत सावरपुरी महाराज का स्वागत सत्कार किया गया। ग्रामवासियो द्वारा इस भव्य तेजाजी धाम मंदिर के निर्माण व मूर्ति स्थापना करवाने के लिए चम्पालाल महाराज का भी गर्मजोशी के साथ स्वागत सत्कार किया गया। कार्यक्रम में अविनाश सेन, तारा चन्द, राहुल सेन, मुकेश सेन, कैलाश सेन, महावीर सेन, श्याम सेन, विष्णु सेन, पाँचु जमुदिया, मुकेश माली, कमल ईनाणी, रामदेव माली, पूर्व सरपंच रामदेव रावत, रमेश मेघवंशी, रामचन्द्र गुर्जर, कमलेश प्रजापत, नारायण मोर्य, माणक चन्द, तेजमल, शेषकरण, ओमप्रकाश, हरिश नाथ, नौरत, कमलेश सुनारीवाल आदि मौजूद रहे।

श्री आदिनाथ महिला मंडल ने आचार्य विद्यासागर जी महाराज को विनयांजलि अर्पित की

अजय जैन. शाबाश इंडिया

अम्बाह। आचार्य विद्यासागर जी महाराज के समाधिस्थ होने से अम्बाह जैन समाज के लोग आहत हैं। सोमवार को श्री आदिनाथ महिला मंडल की पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने आचार्य श्री के समाधिस्थ होने पर विनयांजलि अर्पित की मौजूद महिलाओं ने उन्हें राष्ट्र निमार्ता और सृजनात्मक सोच के साथ कार्य करने वाला अद्भुत और विराट व्यक्तित्व का धनी बताया श्री आदिनाथ महिला मंडल की संस्थापक श्रीमती ऊषा राकेश जैन भंडारी ने कहा कि आचार्य विद्यासागर जी महाराज न केवल जैन समाज के बल्कि सभी समाज के राष्ट्रीय संत थे आचार्य श्री ने हथकरघा उद्योग, गौ माता के संरक्षण, असंख्य गोशालाओं की स्थापना,शिक्षण संस्थानों की स्थापना के जरिये लाखों लोगों को रोजगार प्रदान करने में अहम भूमिका निभाई थी। उनका संपूर्ण जीवन मानवता के कल्याण में बीता ।उन्होंने सामाजिक सुधार, धार्मिक सुधार, शैक्षणिक सुधार,आर्थिक सुधार, राष्ट्र कल्याण के क्षेत्र में अनेक महत्वपूर्ण कार्य किए थे यही वजह है कि आचार्य श्री का योगदान न केवल जैन समाज बल्कि संपूर्ण राष्ट्र के लिए रहा है संगठन की अध्यक्ष श्रीमती बबिता जैन ने कहा कि आचार्य श्री की मुस्कुराहट और उनसे मिले आशीर्वाद से लोगों का जीवन प्रगति के पथ पर अग्रसर हो जाता था वह आधुनिक काल के महावीर थे वह विद्वत्ता की खान, मृदुभाषी, जन कल्याणकारी और आम जनता के दुखों को दूर करने वाले थे साथ ही वह दिव्य ज्योति से युक्त एक अद्वितीय व्यक्तित्व थे, इस दौरान णमोकार महामंत्र का पाठ कर आचार्य श्री को विनयांजलि अर्पित की गई इसके साथ ही उपस्थित महिलाओं ने अपने जीवन को संयम नियम से बिताने का भी संकल्प लिया।

संत के रूप मे एक अवतार थे विद्यासागर जी महाराज

आने वाली पीढ़ियां आश्चर्य करेंगी की ऐसा भी कोई संत भारत भू पर पैदा हुआ होगा : कोठिया

डूंगरपुर। महावीर इंटरनेशनल के वागड़ जोन द्वारा प्रख्यात जैन संत आचार्य विद्यासागर जी की संलेखना पूर्ण समाधि पर हार्दिक श्रद्धांजली व्यक्त कर उनकी स्मृति में दो मिनिट का मौन रखा गया। महावीर इंटरनेशनल के गवर्निंग काउंसिल सदस्य अजीत कोठिया ने इस अवसर पर कहा की आचार्य श्री संत के रूप में एक अवतार थे तथा आने वाली पीढ़ियां जब इनकी चर्या और जीवन गाथा पढ़ेंगी तो सहज मे विश्वास नहीं कर पाएंगी की ऐसा कोई महा मानव इस भारत भू और धरती पर पैदा हुआ होगा। वागड़ जोन डूंगरपुर बांसवाड़ा के जोन चेयरमैन पृथ्वीराज जैन, जोन सचिव विनोद दोसी बागीदौरा, जी सी सदस्य विनोद दोशी डुंगरपुर, जोनल कॉर्डिनेटर नयनेश जानी, ट्रस्ट के ट्रस्टी डूंगरलाल पटेल, हर्ष वर्धन जैन, प्रीतल पंड्या,सुंदरलाल पटेल, सुंदरलाल पंचाल, महिपाल दोसी, पवन अग्रवाल, कल्पेश कोठारी, अनील जैन तलवाड़ा, सुरेश गांधी, राजमल सोनी, रामभरत चेजारा, भूवनेश्वरी मालोत, तिलक नंदिनी जैन, प्रेरणा शाह, मणिलाल सूत्रधार, डा आर. के. मालोत , महेंद्र जैन, अजीत मुंगानिया, हीरालाल जैन, दिपेश जैन, नरेश मेहता, प्रशांत घोड़ा, प्रदीप सेठ, कोमल भरड़ा सहित सभी 22 केंद्रों के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने हार्दिक श्रद्धांजली व्यक्त कर आचार्य श्री के सिद्धांतो पर चलने का संकल्प लिया।